Question 1:

'मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है।' इस कथन के आलोक में आप यह पता लगाएँ कि -

(क) उस समय लड़कियों की दशा कैसी थी?

(ख) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?

Answer:

(क) उस समय लड़कियों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। उस समय का समाज पुरुष प्रधान था। पुरुषों को समाज में ऊँचा दर्जा प्राप्त था। पुरुषों के सामने नारी को अत्यंत हीन दृष्टि से देखा जाता था। इसका एक कारण समाज में व्याप्त दहेज-प्रथा भी थी। इसी कारण से लड़कियों के जन्म के समय या तो उसे मार दिया जाता था या तो उन्हें बंद कमरे की चार दीवारी के अंदर कैद करके रखा जाता था। शिक्षा को पाने का अधिकार भी केवल लड़कों को ही था। कुछ उच्च वर्गों की लड़कियाँ ही शिक्षित थी परन्तु उसकी संख्या भी गिनी चुनी थी। ऐसी लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

(ख) लड़कियों को लेकर पहले की तुलना में आज की स्थिति में सुधार आया है। इसका एक मात्र कारण अपने अधिकारों को पाने के लिए नारी की जागरुकता है। यद्यपि स्थिति पूरी तरह से अनूकूल नहीं है परन्तु फिर भी आज के समाज में नारियों को उचित स्थान प्राप्त है। आज भी कुछ परिवारों में नारी की स्वतंत्रता पर प्रश्न चिन्ह है। कहीं-कहीं पर दहेज-प्रथा है। परन्तु निष्कर्ष तौर पर हम कह सकते हैं कि समय के साथ-साथ लड़कियों की स्थिति में पहले से अधिक सुधार आया है। हमारे समाज में भी नारी के अस्तित्व को लेकर लोगों का दृष्टिकोण बदल रहा है। अत: हम कह सकते हैं कि पुरुष प्रधान समाज में नारी आज पुरुषों से पीछे नहीं है।

Question 2:

लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाईं?

Answer:

उर्दू-फ़ारसी में रुचि नहीं होने के कारण लेखिका को यह भाषा कठिन लगी। इसी कारण से लेखिका उर्दू-फ़ारसी नहीं सीख पाईं।

Question 3:

लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

Website: www.vidhyarjan.com Email: contact@vidhyarjan.com Mobile: 9999 249717

Head Office: 1/3-H-A-2, Street # 6, East Azad Nagar, Delhi-110051
(One Km from 'Welcome Metro Station)

Answer:

लेखिका ने माँ के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया है :-

(1) उनके परिवार में केवल उनकी माँ को ही हिंदी आती थी।

(2) वे पूजा-पाठ भी बहुत करती थीं।

(3) उनकी माँ को थोड़ी संस्कृत भी आती थी।

(4) "गीता" में उन्हें विशेष रुचि थी।

Question 4:

जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है?

Answer:

पहले हिंदु-मुस्लिम को लेकर इतना भेदभाव नहीं था। हिंदु और मुस्लिम दोनों एक ही देश में प्रेम पूर्वक रहते थे। स्वतंत्रता के पश्चात् हिंदु और मुस्लिम संबन्धों में बदलाव आ गया है। आपसी फूट के कारण देश दो हिस्सों में बँट गया – पाकिस्तान मुस्लिम प्रधान देश के रुप में प्रतिष्ठित है तथा हिंदुस्तान में हिंदुओं का वर्चस्व कायम है। ऐसी परिस्थिति में हिंदु तथा मुस्लिम दो अलग-अलग धर्मों के लोगों का प्रेमपूर्वक रहना स्वप्न समान प्रतीत होता है।

Question 5:

ज़ेबुन्निसा महादेवी वर्मा के लिए बहुत काम करती थी। ज़ेबुन्निसा के स्थान पर यदि आप होतीं/होते तो महादेवी से आपकी क्या अपेक्षा होती?

Answer:

ज़ेबुन्निसा महादेवी वर्मा के लिए उनका काम करता थी। इससे काव्य रचना के लिए महादेवी वर्मा को काफ़ी सहयोग मिल जाता था। हमें भी किसी की प्रतिभा को उभारने के लिए इसी तरह का सहयोग करना चाहिए।

Question 6:

महादेवी वर्मा को काव्य प्रतियोगिता में चाँदी का कटोरा मिला था। अनुमान लगाइए कि आपको इस तरह का कोई पुरस्कार मिला हो और वह देशहित में या किसी आपदा निवारण के काम में देना पड़े तो आप कैसा अनुभव करेंगे/करेंगी?

Website: www.vidhyarjan.com *Email: contact@vidhyarjan.com* *Mobile: 9999 249717*

Head Office: 1/3-H-A-2, Street # 6, East Azad Nagar, Delhi-110051
(One Km from 'Welcome Metro Station)

Answer:

देश के नागरिक होने के नाते देश के प्रति हमारे कुछ कर्तव्य हैं। यदि देश किसी आर्थिक परेशानी से गुज़र रहा है, तो देश को इस विपत्ति से उभारने के लिए हमें यथाशक्ति देश की सहायता करनी चाहिए।

Question 7:

लेखिका ने छात्रावास के जिस बहुभाषी परिवेश की चर्चा की है उसे अपनी मातृभाषा में लिखिए।

Answer:

लेखिका "महादेवी वर्मा" के छात्रावास का परिवेश बहुभाषी था। कोई हिंदी बोलता था तो किसी की भाषा उर्दू थी। वहाँ कुछ मराठी लड़किया भी थीं, जो आपस में मराठी बोलती थीं। अवध की लड़कियाँ आपस में अवधी बोलती थीं। बुंदेलखंड की लड़कियाँ बुंदेली में बात करती थीं। अलग-अलग प्रांत के होने के बावजूद भी वे आपस में हिंदी में ही बातें करती थीं। छात्रावास में उन्हें हिंदी तथा उर्दू दोनों की शिक्षा दी जाती थी।

Question 8:

महादेवी जी के इस संस्मरण को पढ़ते हुए आपके मानस-पटल पर भी अपने बचपन की कोई स्मृति उभरकर आई होगी, उसे संस्मरण शैली में लिखिए।

Answer:

छात्र इस प्रशन का उत्तर स्वयं करें।

Question 9:

महादेवी ने कवि सम्मेलनों में कविता पाठ के लिए अपना नाम बुलाए जाने से पहले होने वाली बेचैनी का ज़िक्र किया है। अपने विद्यालय में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते समय आपने जो बेचैनी अनुभव की होगी, उस पर डायरी का एक पृष्ठ लिखिए।

Answer:

छात्र इस प्रश्न का उत्तर स्वयं करें।

Question 10:

पाठ से निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए -

विद्वान, अनंत, निरपराधी, दंड, शांति।

Answer:

विलोम शब्द-

Website: www.vidhyarjan.com Email: contact@vidhyarjan.com Mobile: 9999 249717

Head Office: 1/3-H-A-2, Street # 6, East Azad Nagar, Delhi-110051
(One Km from 'Welcome Metro Station)

(1) विद्वान - मूर्ख

(2) अनंत - संक्षिप्त

(3) निरपराधी - अपराधी

(4) दंड - पुरस्कार

(2) शांति - अशांति

Question 11:

निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए और मूल शब्द बताइए -

निराहारी - निर् + आहार + ई

सांप्रदायिकता

अप्रसन्नता

अपनापन

किनारीदार

स्वतंत्रता

Answer:

निराहारी - निर् + आहार + ई

सांप्रदायिकता - सम्प्रदाय + इक + ता

अप्रसन्नता - अ + प्रसन्न + ता

अपनापन - अपना + पन

किनारीदार - किनारा + ई + दार

स्वतंत्रता - स्वतंत्र + ता

Question 12:

निम्नलिखित उपसर्ग-प्रत्ययों की सहायता से दो-दो शब्द लिखिए -

उपसर्ग - अन्, अ, सत्, स्व, दुर्

प्रत्यय - दार, हार, वाला, अनीय

Website: www.vidhyarjan.com *Email: contact@vidhyarjan.com* *Mobile: 9999 249717*

Head Office: 1/3-H-A-2, Street # 6, East Azad Nagar, Delhi-110051
(One Km from 'Welcome Metro Station)

Answer:

उपसर्ग -

(1) अन् - अन्वेषण, अनशन

(2) अ - असत्य, अन्याय

(3) सत् - सत्चरित्र, ,सत्कर्म

(4) स्व - स्वराज, स्वाधीन

(5) दुर् - दुर्जन, दुर्व्यवहार

प्रत्यय –

(1) दार - किनारेदार, दुकानदार

(2) हार - पालनहार, तारनहार

(3) वाला - फलवाला, मिठाईवाला

(4) अनीय - दर्शनीय, आदरनीय

Question 13:

पाठ में आए सामासिक पद छाँटकर विग्रह कीजिए -

पूजा-पाठ	पूजा और पाठ
....	....
....	....
....	....
....	....

Answer:

(1) पूजा-पाठ = पूजा और पाठ

(2) उर्दू-फ़ारसी = उर्दू और फ़ारसी

(3) पंचतंत्र = पाँच तंत्रो से बना है जो

(4) दुर्गा-पूजा = दुर्गा की पूजा

(5) छात्रावास = छात्रों का आवास

Website: www.vidhyarjan.com *Email: contact@vidhyarjan.com* *Mobile: 9999 249717*

Head Office: 1/3-H-A-2, Street # 6, East Azad Nagar, Delhi-110051
(One Km from 'Welcome Metro Station)